goitre is als$_0$ there in all the districts of the country, in the entire country. So the aim of the Government of India is to iodise the entire salt consumption by 1992 so that the entire population use only iodised salt. The premise of the hon. Member that iadised salt is only meant for the higher socio-economic sections of society is not correct. We declare a district, $_a$ particular district, a_s goitre affected area, as soon as the disease crosses a certain threshold. Once that i_s declared ln the entire district only iadised salt can be distributed. Distribution of the common salt will become an offence under the Food Adulteration Act. Under the Food Adulteration Act, a notification is made that only iodised salt can be distributed in that district. So, the other salt will not be available to any section of the population. I do not have the figures about private sector and public sector. But, about 365 units small, medium and large scale, have been licensed by the Salt Commissioner for production of salt as ©er the new standard.

SHRI NIRMAL CHATTERJEE: I have not said that you distribute it only to the affluent section. The market does it. The point is that 30 per cent have been affected in Delhi. Is is compulsory that only iodised salt will be utilised in Delhi? You have not guaranteed that. Therefore, how do you propose to reach the non-affluent section? What is the mechanism for making Iodised salt available to them?

SHRI S. KRISHNA KUMAR; As far as Delhi is concerned, it has not been declared as goitre-affected area. Simply, the iodised salt is available to those who need it.

श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : गलगंड की बीमारी कोई आज की बीमारी नहीं है बल्कि यह लम्बे समय से चली आ रही है भले ही आयोडाइज्ड सॉल्ट का ट्रीटमेंट कुछ अरसे से चला हो । इस लिये मैं सरकार से जानना चाहता हूं कि इसका आयोडाइज्ड सॉल्ट के सिवाय भी कोई इलाज है क्या ? और आप ने कहा कि हम किसी डिस्ट्रिक्ट को घोषित कर देते हैं और वहां सिर्फ इसी प्रकार का नमक बिकवाने का इंतजाम करते हैं तो मैं जानना चाहता हूं कि ऐसे कितने क्षेत्र आप ने घोषित किये हैं और उनको मानिटरिंग की क्या व्यवस्था है ? और अगर फूड एडल्ट्रेशन ऐक्ट के मातहत घोषित किया है तो कितने दोषियों को आप ने इस बारे में पकड़ा है अब तक ?

SHRI S. KRISHNA KUMAR: The iodisation of common salt for consumption i_s the cheapest and the most effective way of controlling the disease of goitre. Certain pilot studies have been initiated on an injectible which is called Lipidome -herapy. It is $_a$ WHO-sponsored study being done by a group headed by Dr. Kochipillai in Gonda District. If it is successful, immunisation can Be given for about five years. We shall be pursuing this matter.

Sir, IOO districts in the country have already been declared as goitre affected areas.

MR. CHAIRMAN: Next question. Mr. Meena.

Books missing from the Nehru Memorial Museum Library.

•123. SHRI DHULESHWAR MEENA: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state;

(a) whether it is $_a$ fact that many books and manuscripts are missing or are lost in the Nehru Memorial Museum and Library, New Delhi;

(b) if so, what are the details thereof;

(c) how many of them have been replaced so far?

(d) whether Government have made any time bound programme for replacing the missing and lo*t books and manuscripts;

(e) whether it i_s also a fact that the loss of books and manuscripts has been more during the tenure of the present Director of the Nehru Library than before;

(f) if so, what action Government propose to take against the Director; and

(g) if no action is proposed to be taken, what are the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENTS OF EDUCA-TION AND CULTURE (SHRIMATI SUSHILA ROHATGI): (a) t_0 (g) A statement i_s laid on the Tabl$_e$ of the House.

Statement

(a) to (d) According to information received from Nehru Memorial Museum and Library an autonomous organisation funded by the Department of Culture, only 257 books on subjects like political, social, economic and religious history of India have been lost from the Library in 20 years since its inception in 1966. The Library has at present 1,00,541 books in its shelves. Efforts are being made to replace the lost books as and when these become available in the market.

(e) Los$_s$ of books auring the tenure of the present Director can be determined only after the report on the verification of books is fina lised.

(f) and (g) Do not arise at pre sent.

श्री धूलेश्वर मीणा : यह नेहरू स्मारक संग्रहालय और पुस्तकालय का एक महत्व-पूर्ण सवाल है पर माननीय मंत्री जो ने एक छोटा सा उत्तर दे कर हम लोगों को शान्त करने की कोशिश की है। यह बात उचित नहीं हैं । इस समय नेहरू मेमोरियल लाइब्रेर अपने देश में ही नहीं, विश्व में भी एक महत्वपूर्ण लाइब्रेरी है । विश्व को दूसरे लाइब्रेरियों को देख लेना चाहिए उन का मुकाबला करती है । यहां से पुस्तकें और मैनुस्क्रिप्टस इस तरह से चोरी चली जाय और हमारे देश के कोने-कोने से आने वाले रिसर्च स्कालर्स उस के कारण उन का फायदा न उठा पायें, उन को कठिनाई होती है तो मैं जानना चाहता हूं कि ऐसा क्या कारण है कि इस प्रकार की पुस्तकें और मैनुस्क्रिप्टस यहां से चोरी चली जाती हैं और उनको वापस, रिप्लेस करने के लिये आप ने लिखा है कि जब वे अवैलेबिल होंगी तो उन को रिप्लेस करेंगे तो मैं जानना चाहता हूं कि ऐसे कौन से कारण हैं जिन की वजह से यहां से पुस्तकें चोरी जाती हैं और इस के लिए सरकार क्या कदम उठाने जा रही है ?

श्रीमती सुशीला रोहतगी : मान्यवर, मैं माननीय सदस्य से इस बात में बिलकुल सहमत हूं कि यह बहुत ही महत्वपूर्ण संस्थान है और इसका देश में ही नहीं, बल्कि वि-देशों में भी बहुत मान है । मेरी कोई ऐसी इच्छा नहीं है, कोई ऐसा विचार नहीं है कि एक छोटे से पेज में उनको सतुष्ट करने का प्रयास करूं। जो-जो हमारे प्रश्न माननीय सदस्य उठाना चाहते हैं मैं भरसक प्रयत्न करूंगी कि उनका पूरी तरह से उत्तर दूं । जहां तक चोरी के बारे में कहा गया है, पिछले 20 सालों में सब मिलाकर जो संख्या हमारे सामने आई है वह आपके समक्ष रख दी गई है। 257 किताबों को चोरी का पता चला है । यह पिछले 20 सालों की संख्या है। इस बारे में जो गाइड-लाइन्स बनी हैं उसके आधार पर एक हजार किताबों पर अगर तीन किताबें चोरी जाती हैं तो इस चीज को एक रिजनेबल वेल्यू रखा जाता है। लेकिन मैं यह भी जानती हूं कि हमारी एक किताब भी नहीं खोनी चाहिए । जो मापदंड बनाये गये हैं । सारे संसार में जो मापदंड बने हैं उनको देखने के बाद और उनके आधार पर यह संख्या अधिक नहीं है, बल्कि उसके नीचे है । इसके अतिरिक्त भी हमने प्रयास करा है कि जो हमारे पढ़ने वाले आते है वे बोनाफा इडी यानी बुनियादी तौर पर हमारी युनिवर्सि-टीज से या हमारे रिसर्च इंस्टिट्यूशन से आते हैं । वे यहां पर पढ़ते और कंसल्ट के लिए आते हैं । जहां वे लायब्रेरी में अन्दर जाते हैं तो अपना आइडेंटिटि कार्ड देकर जाते हैं और अपना सारा सामान बाहर रख जाते हैं । जब व बाहर आते है

तो उनको अपना आइडेंटिटि कार्ड लेना पडता है । इस तरह का प्रयास होता है । कि वे कोई किताब अन्दर ले जायें और इसके अलावा यह भी देखा जाता है कि कोई किताब गुम न होने पाये । इसके अलावा कई दफा सेम्पल सर्वे और इन्वेस्टिगेशन्स भी कराये गये हैं उन्हीं के आधार पर यह संख्या हमारे सामने आई है जहां तक मैनस्क्रिप्टस का सवाल है, उनका कोई जानकारी अभी मुझे नहीं है । बीच में जो किताबें पहले खो गई थी उनमें सात किताबें ढूंढने के बाद वापस मिल गई हैं।

श्री धूलेश्वर मीणा : श्रीमन्, आपने फरमाया है कि पिछले 20 सालों में सिर्फ 257 पुस्तकें खोई हैं । यह बिलकुल सरासर असत्य है क्योंकि मेरे पास इन्फारमेशन हैं कि पिछले 7–8 या 10 सालों में कोई ढाई-तीन सौ पुस्तकें गायब हुई हैं । इसके अन्दर आपने फरमाया हैं कि राजनीतिक, सामाजिक आर्थिक और धर्मिक इतिहास की विषयों पर पुस्तकें चोरी हुई हैं । हो सकता है कि ये पुस्तकें कई सबजेक्ट्स की हों । लेकिन चोरी करने वाले ऐसी पुस्तकें ही ले जाते हैं जो कहीं दूसरी जगह नहीं मिलती है.....**(व्यवधान)**

MR. CHAIRMAN: What is your question?

श्री धूलेश्वर मीणा : श्रीमन्, मेरा क्वेश्चन य है कि इस प्रकार की पुस्तकें जो बाहर उपलब्ध नहीं हैं, अगर वे चोरी हो जाती हैं तो आप उनके लिए क्या करते ? ऐसा कोई भी मनुस्क्रिप्ट जो भविष्य में उपलब्ध नहीं हो सकता है, उसके लिए आप क्या करने जा रहे हैं ?

श्रीमती सुशीला रोहतगी : जहां तक मनुस्क्रिप्टस का सवाल है, उसके बारे में मैं पहले ही कह चुकी हूं । माननीय सदस्य ने सरासर असत्य की बात कही है, यदि उनके पास कोई ऐसा प्रमाण हैं या कोई एविडेन्स हैं तो कृपा करके वह हमें दें । हम उसकी तुरन्त जांच करावाएंगे क्योंकि हमारा प्रयास हैं कि कोई भी हमारी पुस्तक गुम न होने पाये । हमारे पास जो सूचना हैं उसके आधार पर ही हमने ये आंकड़े दिये हैं । माननीय सदस्य ने जो कहा हैं वह चीज सत्य से थोड़ा परे हैं । मैं इसमें उनका सहयोग चाहूंगी । अगर उनके पास कोई ऐसा एविडेन्स हो तो वे उसको हमें दें ।

SHRI DHARAM CHANDER PRASHANT: Sir, I would like to ask the hon. Minister whether the missing books are due to those who borrow the books and do not return. *(Interruptions)*

AN HON. MEMBER: Please speak into the mike.

SHRI DHARAM CHANDER PRASHANT: Those who borrow the books do not return. That is also the case in many libraries. And is it in the case of this Library also?

SHRIMATI SUSHILA ROHATGI; i am sorry, Sir, I could not hear.

MR. CHAIRMAN; Is the loss du© to people who borrow and do not return the books which is a normal habit of man?

SHRIMATI SUSHILA ROHATGI: Well, Sir, I think, the reply is a part o* the question unless some special notice is required for that

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : मान्यवर, मैं यह जानना चाहता हूं कि यह जांच कब बैठाई गई और कौन लोग उसकी जांच कर रहे हैं ? यदि जांच रिपोर्ट प्राप्त हो गई हैं तो वह कब प्राप्त हुई और कब तक इस पर अंतिम रूप से फैसला ले लिया जाएगा ? यदि रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई हैं तो कब तक रिपोर्ट के प्राप्त होने की आशा है ?

श्रीमती सुशीला रोहतगी : जांच तो उस समय पर होती रहती है और पहले चार दफा हो चुकी है और अभी हाल ही में जो जांच कराई गई है उस पर आशा है कि वरिफिकेशन का कार्य किया जा रहा है वह इसी साल में हो जाएगा । ऐसी हमें आशा है । एक बात मैं यह कहना

चाहती हूं कि यह रेफरेन्स लायब्रेरी है। यहां पढ़ने के लोग आते हैं समें ले जाने या बाद में लाने का प्रश्न ही नहीं है ।

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : कौन लोग जांच कर रहे हैं, कोई कमेटी है या कोई एक अधिकारी जांच कर रहा है ?

श्रीमती सुशीला रोहतगी : जो प्रोसीजर यहां पर है वह यह है कि हर तीन साल के अंदर एक दफे फिजिकल वैरीफिकेशन सैल्फ बाई सैल्फ होता है । उसमें वे लोग रहेंगे जो इस सैक्शन से संबंधित नहीं हैं । यह इसलिये कि इसके लिये उन लोगों को ज्यादा इम्पार्शियल होना ज्यादा महत्वपूण समझा जाता है । इसमें सैम्पल के तौर पर चुनकर किताबें ले ली जाती हैं जिसमें यह देखने का मौका मिलता है कि कहां पर किताबें हैं और कहां पर नही हैं । इस तरह का वैरीफिकेशन समय-समय पर चलता है ।

श्री बी० सत्यनारायण रेड्डी : हरू स्मारक संग्रहालय और पुस्तकालय की जो किताबें गुम हो गई हैं उनकी सख्या 257 बताई गई हैं । इनमें बहुत ही महत्वपूर्ण विषयों पर किताबें और पुस्तकें हैं जैसे राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक और इतिहास वगैरह पर । मैं मंत्री महोदया से यह जानना चाहूंग कि यह जो पुस्तकें गुम हो गई हैं, इस संग्रहालय से, ये भारत में छपीं हैं य विदेशों में छपीं हैं क्योंकि उन्होंने कहा कि इस बात का प्रयास किया जा रहा है कि जो पुस्तकें गुम हो गई हैं उनको रिप्लेस किया जाये। तो मैं मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि इतने दिनों से गुम हैं और अभी प्रयास किया जा रहा है रिप्लेस करने का तो जो पुस्तकें यहां छपी हैं क्या उनको पुनः छापेंगे और जो विदेशों में छपी हैं उनको विदेशों से मगायेंगे ?

श्रीमती सुशीला रोहतगी : अभी वह स्टेज नहीं आई है । उसको गुम नहीं कहा है, मिस लेस कहा गया है। अभी इसमें देखा जा रहा है कि क्या वे कहीं वहीं तो नहीं पड़ी हैं । जैसे ही यह सवाल समाप्त हो जाता है तब वे मिसप्लेस से हटकर लास में आ जायेंगी । ये कितनी है जब यह पता लगेगा तभी उस पर कार्यवाही करने का प्रयास किया जायेगा ।

SHRI SANKAR PRASAD MITRA: Sir, the hon. Minister in her answer has stated that 257 books have been lost during a period of 20 years. From this answer it follows that some books may hav* been lost ten years or 15 years back. How many books have so far been replaced out of these lost books and what efforts hav* been made during the last 20 years for replacement of these books?

SHRIMATI SUSHILA ROHATGI: A, list of 257 books that are lost is attached. Of these, you will find that none of these books are rare. Seven titles which have so far been replaced are Hutchinson's European Freebooters in Mughul India; Kosambi, Introduction to ihe Study of Indian History Majumdar, Advent of Independence; Sondhi, Non-Appeasement; Tinker, Experiment with Freedom...

MR. CHAIRMAN: That will do. You have said that these have been replaced. That is enough.

श्री गुलाम रसूल कार . आनरेबल मिनिस्टर इन्चार्ज को क्या इस बात का इल्म है कि नेहरू म्यूजियम और लाइब्रेरी में जो बदइंतजामी पैदा हो गई है किताबों के सिलसिले में, वह इसलिये है क्योंकि वहां पर मुलाजिमों को एक्सटेंशन पर एक्सटेंशन दिये जाते हैं ?

श्रीमती सुशीला रोहतगी : मान्यवर, ऐसी कोई जानकारी मुझे अभी नहीं है।

ठाकुर जगतपाल सिंह : मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि बीस साल से जो यह चोरी होती चली आई है, उसके बारे में अभी तक सरकार ने क्या किया है ? क्या किसी अधिकारी के खिलाफ कोई एक्शन लिया है और कितनी किताबों की चोरी हुई है...

MR. CHAIRMAN: The question has been answered.

National Highways

*124. SHRI V. GOPALSAMY: Will the Minister of TRANSPORT be pleased to state:

(a) what are the names of the National Highways in the country along with the length of each National Highway and the States which are linked by each of them as on date;

(b) how much money was allotted to each of these National Highways during the Sixth Plan and how much of it has been spent in each case so far;

(c) whether any highway was declared as National Highway during the same period, if so, the details thereof;

(d) whether there is any proposal to declare any highway as National High-way during the Seventh Five Year Plan, if so, the details thereof; and

(e) how much money has been allotted to each of the National Highv/ays for development during the Seventh Five Year Plan period?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF SURFACE TRANS-PORT (SHRI RAJESH PILOT)- (a) to (e) A statement is laid on the Table of Sabha.

Statement

(a) At present there are *(ti* National Highways in the Country aggregating 31,803 kms. A statement indicating the details is enclosed (Annexure I). *[See* appendix CXXXVII, Annexure No. 15]

(b) Funds for National Highways are released State-wise and not National High-way-wise. Statement—I indicating the funds allotted to States and expen diture incurred during the Sixth Plan is enclosed *{See below).*

(c) Statement—II indicating National Highways declared during the Sixth Plan is enclosed (See belotu).

(d) Due to the constraint of resources it has not been possible to declare so far, any new National Highway during the Seventh Plan except Ahmedabad-Vadodara Section which is to be constructed with World Bank Assistance.

(e) The Planning Commission have ear marked an outlay of Rs. 891.75 crores for development of National Highways during Seventh plan.